

ये अव्यक्त इशारे

## सत्यता और सभ्यता रूपी कल्चर को अपनाओ

**6-03-2025**

आपके बोल में स्नेह भी हो, मधुरता और महानता भी हो, सत्यता भी हो लेकिन स्वरूप की नम्रता भी हो। निर्भय होकर अथॉरिटी से बोलो लेकिन बोल मर्यादा के अन्दर हों – दोनों बातों का बैलेन्स हो, जहाँ बैलेन्स होता है वहाँ कमाल दिखाई देती है और वह शब्द कड़े नहीं, मीठे लगते हैं तो अथॉरिटी और नम्रता दोनों के बैलेन्स की कमाल दिखाओ। यही है बाप की प्रत्यक्षता का साधन।

### **Adopt the culture of truth and good manners**

Let there be love and also sweetness and so greatness in your words. Let there be truth in them, but also let there be humility in your form. Be fearless and speak with authority, but let your words be within the code of conduct. Let there be a balance of the two. Where there is a balance, you can see wonders and those words are not harsh, they sound sweet. So, now show the wonder of a balance of authority and humility. This is the way to reveal the Father.

